4. Answer any **two** of the following questions : 2×18=36
निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

(i) Write a summary of the story of Dootvakyam.
दूतवाक्यम् की कथावस्तु का सारांश लिखिए ।

(ii) Explain the difference between the original source of Dutvakyam and the भासकृत Dutvakyam.
दूतवाक्यम् के मूलकथा स्रोत एवं भासकृत दूतवाक्यम् में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(iii) Write a summary of the fourth canto clarifying the name of Abhijnanashakuntalam.
अभिज्ञानशाकुन्तलम् के नामकरण को स्पष्ट करते हुए चतुर्थ अंक का सारांश लिखिए ।

(iv) Explaining the, श्लोकचतुष्ट्य write the importance of the fourth canto of Abhijnanashakuntalam.
श्लोकचतुष्ट्य को स्पष्ट करते हुए अभिज्ञानशाकुन्तलम् के चतुर्थ अंक का महत्त्व लिखिए ।

5. Write short notes on any **two** of the following : 2×4.5=9
निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Actor
नायक

(ii) Drama
नाटक

(iii) Bhavabhuti
भवभूति

(iv) Sudraka
शूद्रक

***

[This question paper contains 4 printed pages]

Your Roll No. : .....

Sl. No. of Q. Paper : **7763** **I**

Unique Paper Code : 2132201202

Name of the Paper : Sanskrit Drama, DSC

Name of the Course : **Bachelor of Arts, NEP UGCF 2022**

Semester : II

Time : 3 Hours ***Maximum Marks : 90***

Instructions for Candidates :

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश :

(a) Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
इस प्रश्न-पत्र के प्राप्त होने पर तुरंत शीर्ष पर अपना रोल नंबर लिखें।

(b) Answer may be written either in **Sanskrit** or in **English** or in **Hindi**; but the same medium should be used throughout the paper.
इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तर एक ही भाषा में होने चाहिए।

1. Translate the following verses : 3×6=18
निम्नलिखित श्लोकों का अनुवाद कीजिए :

(i) ग्रहणमुपगते तु वासुभद्रे
हृतनयना इव पाण्डवा भवेयुः ।
गतिमतिरहितेषु पाण्डवेषु
क्षितिरखिलापि भवेन्ममासपत्ना ॥

OR/अथवा

यात्येकतोऽस्तशिखरं पतिरोषधीना
माविष्कृतोऽरुणपुरःसर एकतोऽर्कः ।
तेजोद्वयस्य युगपद्व्यसनोदयाभ्यां
लोको नियम्यत इवात्मदशान्तरेषु ॥

(ii) अक्षान् क्षिपन् स कितवः प्रहसन् सगर्वं
संकोचयन्निव मुदं द्विषतां स्वकीर्त्या ।
स्वैरासनो द्रुपदराजसुतां रुदन्तीं
काक्षेण पश्यति लिखत्यमिखं नयज्ञः ॥

OR/अथवा

विचिन्तयन्ती यमनन्यमानसा
तपोधनं वेत्सि न मामुपस्थितम् ।
स्मरिष्यति त्वां न स बोधितोऽपि सन्
कथां प्रमत्तः प्रथमं कृतामिव ॥

(iii) श्यामो युवा सितदुकूलकृतोत्तरीयः
सच्छत्रचामरवरो रचितांगरागः ।
श्रीमान् विभूषणमणिद्युतिरञ्जिताङ्गो
नक्षत्रमध्य इव पर्वगतः शशांकः ॥

OR/अथवा

यास्यत्यद्य शकुन्तलेति हृदयं संस्पृष्टमुत्कण्ठया
कण्ठः स्तम्भितवाष्पवृत्तिकलुषश्चिन्ताजडंदर्शनम् ।
वैक्लव्यं मम तावदीदृशमिदं स्नेहादरण्यौकसः
पीड्यन्ते गृहिणः कथं नु तनया विश्लेषदुःखैर्नवैः ॥

2. Explain the following verses with reference to the context : 2×9=18

निम्नलिखित श्लोकों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

1. प्रातः किलाद्य वचनादिह पाण्डवानां
दौत्येन भृत्य इव कृष्णमतिः स कृष्णः ।
श्रोतुं सखे ! त्वमपि सज्जय कर्ण ! कर्णौ
नारीमृदूनि वचनानि युधिष्ठिरस्य ।

OR/अथवा

2. अस्मांसाधु विचित्य संयमधनानुच्चैः कुलं चात्मन-
स्त्वय्यस्याः कथमप्यबान्धवकृतां स्नेहप्रवृत्तिं च ताम् ।
सामान्यप्रतिपत्तिपूर्वकमियं दारेषु दृश्या त्वया
भाग्यायत्तमतः परं न खलु तद्वाच्यं वधूबन्धुभिः ॥

3. Explain the following verses in Sanskrit : 1×9=9

निम्नलिखित की संस्कृत में सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

दुःशसनपरामृष्टा सम्भ्रमोत्फुल्ललोचना ।
राहुवक्त्रान्तरगता चन्द्रलेखेव शोभते ॥

OR/अथवा

अर्थो हि कन्या परकीय एव तामद्य संप्रेष्य परिग्रहीतुः ।
जातो ममायं विशदः प्रकामं प्रत्यर्पितन्यास इवान्तरात्मा ॥